वैदिक विज्ञान की ओर .....

7

वर्तमान वैज्ञानिक cosmology के अन्तर्गत गैलेक्सियों, तारों, ग्रहों, उपग्रहों आदि लोकों की चर्चा करते हैं। वे सृष्टि के प्रारम्भ तथा सृष्टि के मूल उपादान कारण पर विशेष चर्चा नहीं करते। Big Bang, Big Bounce आदि के समर्थक तत्काल विस्फोट कराकर लोकों के बनने की प्रक्रिया बताने लग जाते हैं। वे ब्रह्माण्ड के मूल कणों के बनने, उनकी संरचना आदि पर विशेष चिन्तन नहीं करते। इसके लिये वे Astro physics, Particle physics, Quantum field theory, Atomic-Nuclear theory, String theory आदि अनेक शाखाओं को पृथक् से पढ़ने की बात करते हैं। वस्तुतः इन सबके बिना cosmology का आधार ही क्या है? वे भवन की छत की बात तो करते हैं, जबकि नींव बनने की बात जल्दबाजी में बहुत संक्षिप्त कहकर आगे बढ़ जाते हैं। इन सभी विषयों के लिए कोई एक वैज्ञानिक विशेषज्ञ नहीं होता, तब cosmology विषय कैसे ब्रह्माण्ड की उत्पत्ति के रहस्यों को समझा सकेगा? सब मिलकर बैठकर कभी इन विषयों पर चर्चा करते हैं वा नहीं, यह मैं नहीं जानता परन्तु जब तक एक व्यक्ति इन सभी विषयों की गहराई को नहीं समझेगा, तब तक वर्तमान भौतिक विज्ञान संसार को कोई निर्दोष physics नहीं दे सकता। इन सब विषयों के अध्ययन के समय ईश्वर की सत्ता की आवश्यकता पर कभी विचार नहीं करते और कोई ईश्वर की सत्ता को स्वीकार करते भी हैं, वे यह नहीं विचारते कि वह ईश्वर कैसा है तथा वह सृष्टि की रचना व संचालन कैसे करता है? उसका क्रियाविज्ञान क्या है? इस कारण modern theory of universe नाम से कोई प्रामाणिक विज्ञान वर्तमान में है ही नहीं।

क्रमशः .....

–आचार्य अग्निव्रत नैष्ठिक